



जीएसटी सुधार: पंजाब के विकास और आजीविका को सशक्त बनाना

मुख्य बातें

- पंजाब में वस्त्र, हस्तशिल्प, जूते, धातु के बर्तन, डेयरी, कृषि उत्पाद और साइकिल पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे वस्तुएं अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी हो गई हैं।
- खाद्य और कृषि उत्पादों के लिए खुदरा मूल्यों में 6-7 प्रतिशत की गिरावट से सामर्थ्य बढ़ता है और बाजार में स्थिति मजबूत होती है।
- फुलकारी कढ़ाई जैसे प्रसिद्ध उत्पादों में लगभग 20,000 कारीगर कार्यरत हैं, जबकि साइकिल क्षेत्र में 40,000 से अधिक कारीगर कार्यरत हैं, यह कार्मिक इन सभी सुधार लाभ के लिए तैयार हैं।

परिचय

हाल ही में जीएसटी सुधारों से आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर कर का बोझ कम हो गया है, जिसका उद्देश्य मांग को बढ़ावा देना, प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना तथा विकास और रोजगार के अवसर पैदा करना है। भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित पंजाब में, कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, जो वस्त्र, हस्तशिल्प, धातु के बर्तन और कृषि-आधारित उत्पादों जैसे उद्योगों द्वारा पूरित किया जाता है। ये सुधार इन वस्तुओं को अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी बनाते हैं, जो अपनी कृषि नींव को मजबूत करने से लेकर विनिर्माण और निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों को बढ़ावा देने तक राज्य की विकास प्राथमिकताओं के साथ निकटता से मेल खाते हैं।

वस्त्र एवं परिधान

पंजाब एक मजबूत वस्त्र परिवेश को बढ़ावा देता है, जिसमें कच्चे माल की उपलब्धता से लेकर परिधान उत्पादन तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला मौजूद है। राज्य परिधान का निर्यातक भी है, जिसमें **फुलकारी कढ़ाई, ऊनी शॉल और स्टॉल, हाथ से मुद्रित कपड़े और महिलाओं के सूती कुर्ते** जैसे उत्पाद अनगिनत कारीगरों को आजीविका प्रदान करते हैं और विविध बाजारों को आकर्षित करते हैं। **वस्त्रों पर जीएसटी**

12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने के साथ, पंजाब के वस्त्र घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसके अलावा, इस कर राहत से लागत में कमी आएगी, मांग में वृद्धि होगी, बिक्री में वृद्धि होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, कारीगरों और बुनकरों का उत्थान होगा जो उद्योग का एक मजबूत स्तंभ है।



फुलकारी कढ़ाई

फुलकारी, एक जीआई-टैग क्राफ्ट है जो मुख्य रूप से अमृतसर और पटियाला में प्रचलित है, तथा इसे मुख्य रूप से महिलाओं के नेतृत्व वाले दस्तकार परिवारों द्वारा बनाए रखा जाता है। लगभग 20,000 कारीगर इन पारंपरिक कढ़ाई वाले परिधानों को बनाने के काम में लगे हुए हैं, जिन्हें जो एथनिक वियर लेबल, दुल्हन बुटीक और हस्तशिल्प निर्यातकों का एक बड़ा बाजार प्राप्त होता है। घरेलू मांग के अलावा, फुलकारी ने अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जैसे वैश्विक बाजारों में भी अपनी जगह बना ली है, जहां इसकी सांस्कृतिक और सौंदर्यात्मक अपील को अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

हाल ही में जीएसटी को 12% से घटाकर 5% करने से उद्योग को आवश्यक बढ़ावा मिला है। समग्र उत्पाद लागत को कम करके, ये सुधार फुलकारी को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। कम मूल्य का लाभ न केवल उपभोक्ताओं की पहुंच को बढ़ाता है बल्कि अधिक बिक्री के कारण कारीगरों की आय में वृद्धि होती है और निर्यात संभावनाओं में सुधार होता है।

ऊनी शॉल और स्टोल्स

लुधियाना और अमृतसर में छोटे बुनकर और कपड़ा सहकारी समितियां पंजाब के ऊनी शॉल और स्टोल उद्योग को मजबूती देती हैं। लगभग 25,000 श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने वाला यह क्षेत्र खुदरा परिधान और उपहार से लेकर निर्यात में स्थिर मांग तक विविध बाजारों की मांग की पूर्ति करता है।

विंटरवियर ब्रांड और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इन उत्पादों में गहरी रुचि रखते हैं जो मौसमी परिधान निर्यात में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं।

जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा बदलाव है। कीमतें कम होने से ऊनी शॉल और स्टोल उपभोक्ताओं के लिए ज्यादा किफायती हो जाते हैं, साथ ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन उत्पादों की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है। इस कर राहत से मांग में वृद्धि, निर्यात अवसरों में विस्तार तथा बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पंजाब की सबसे प्रतिष्ठित वस्त्र परंपराओं में से एक को संरक्षित करते हुए हजारों बुनकरों और सहकारी समितियों की आजीविका को सुरक्षित करता है।

हैंड-ब्लॉक प्रिंटेड कपड़ा

हैंड ब्लॉक प्रिंटेड फैब्रिक, जिसे मुख्य रूप से मुस्लिम कारीगरों और प्रिंटरों द्वारा तैयार किया जाता है, जिनमें से कई महिला प्रधान परिवारों से हैं, मलेरकोटला और लुधियाना में खूब फल-फूल रहा है। अपनी मूल्य श्रृंखला में लगभग 10,000 लोगों को रोजगार प्रदान करने वाला यह शिल्प फैब्रिक बुटीक और परिधान ब्रांडों को आपूर्ति प्रदान करता है तथा इसका उपयोग डिजाइनरों और डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर लेबल द्वारा किया जाता है।

जीएसटी की दरें 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत होने से इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। कम कर दरों के कारण हैण्ड ब्लॉक मुद्रित कपड़ों को खरीदारों के लिए अधिक किफायती और आकर्षक बनाया जाता है, जिससे घरेलू खुदरा और निर्यात चैनलों में मांग बढ़ जाती है। बाजार विस्तार के अलावा, ये सुधार इस क्षेत्र में औपचारिकता को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे छोटे पैमाने के बुनकरों और प्रिंटरों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया जा सके। मूल्य लाभ से कारीगरों को बेहतर आय सुरक्षा मिलती है, जिससे पंजाब की इस जटिल शिल्प परंपरा को संरक्षित करते हुए महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बनाए रखने में मदद मिलती है।

महिलाओं के सूती कुर्ते

पंजाब में महिलाओं के सूती कुर्ते का उत्पादन लुधियाना और पटियाला में केंद्रित वस्त्र एमएसएमई और महिला नेतृत्व वाली सिलाई इकाइयों द्वारा संचालित होता है। यह क्षेत्र 20,000 से अधिक श्रमिकों को रोजगार देता है और घरेलू फैशन खुदरा विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों से लेकर डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) परिधान ब्रांडों तक, एक व्यापक ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बुटीक लेबल इन कुर्तों का स्रोत बनते हैं, जिससे उद्योग की निर्यात क्षमता में वृद्धि होती है।

जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना इस वर्ग के लिए एक मजबूत प्रोत्साहन है। समग्र उत्पादन और खुदरा लागत को कम करके, यह सुधार सूती कुर्ते को उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती बनाते हैं, साथ ही घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में उनकी प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं। यह कम मूल्य लाभ और बिक्री को बढ़ाता है, ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफार्मों पर मांग को प्रोत्साहित

करता है और निर्यात में अधिक अवसर खोलता है। इसके अलावा, यह कटौती कारीगरों और सिलाई इकाइयों के लिए बेहतर आय प्रवाह में सहायक होगी, क्षेत्र को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, तथा एमआरपी को कम करने में मदद करेगी, जिससे तेजी से बढ़ती फैशन अर्थव्यवस्था में पंजाब के सूती परिधान उद्योग को मजबूती मिलेगी।

फुटवियर

पंजाबी जूती, एक पारंपरिक जूती है, जिसे मुख्य रूप से पटियाला, अमृतसर और फाजिल्का में कुशल चमड़ा कारीगरों और परिवार द्वारा संचालित इकाइयों द्वारा तैयार किया जाता है। प्रमुख समूहों में लगभग 15,000 श्रमिकों को रोजगार देते हुए यह उद्योग पारंपरिक फैशन और शादी के परिधानों से लेकर स्मृति चिन्ह और डिजाइनर ब्रांडों तक विविध बाजारों में सेवा प्रदान करता है। इस शिल्प कौशल को विश्व भर में प्रदर्शित करते हुए, बुटिक निर्यात ब्रिटेन और कनाडा जैसे गंतव्यों तक पहुंच रहे हैं।

जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। समय लागत को कम करके, यह सुधार पंजाबी जूतियों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी बनाता है, जिससे मांग में वृद्धि होती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कारीगरों की आजीविका को मजबूत करता है, लघु-स्तरीय चमड़ा इकाइयों को समर्थन देता है तथा बाजार पहुंच और निर्यात क्षमता का विस्तार करते हुए इस पारंपरिक शिल्प की स्थिरता को बढ़ाता है।

हस्तशिल्प और लकड़ी के उत्पाद

पंजाब अपने हस्तशिल्प और लकड़ी के उत्पादों के लिए जाना जाता है, जिनकी विश्व भर में प्रशंसा की जाती है। इन उत्पादों पर अब जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। कम लागत के कारण ये उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती हो जाते हैं, बिक्री में वृद्धि होती है, बाजार पहुंच का विस्तार होता है, तथा पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करते हुए कारीगरों की आजीविका मजबूत होती है।

हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पाद

होशियारपुर और पटियाला में पारंपरिक बढ़ई और कारीगर परिवार उत्तम हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पाद तैयार करते हैं, जिनमें लगभग **8,000 कारीगर कार्यरत** हैं। ये कृतियां मुख्य रूप से लकजरी फर्नीचर और हेरिटेज होम डेकोर बाजारों को सेवा प्रदान करती हैं तथा बुटीक स्टोर्स, आर्किटेक्ट्स और निर्यातकों जैसे खरीदारों को आकर्षित करती हैं।

हाल ही में जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उद्योग को काफी बढ़ावा मिला है। उत्पादन लागत कम करके, यह सुधार एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है, उत्पादों को अधिक किफायती बनाता है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग को प्रोत्साहित करता है और बिक्री की मात्रा को बढ़ाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कारीगरों की आजीविका में सहायता भी करता है, पारंपरिक लकड़ी के काम करने के कौशल को संरक्षित करता है और वैश्विक लकजरी और हेरिटेज डेकोर बाजारों में पंजाब की स्थिति को मजबूत करता है।

लकड़ी के लाख से बने खिलौने

अमृतसर में छोटे स्तर के कारीगर, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं, पारंपरिक लकड़ी के लाख के खिलौने बनाते हैं, जिनमें लगभग **3,000 कुशल श्रमिक कार्यरत** हैं। ये खिलौने पारंपरिक खिलौना बाजारों, हस्तशिल्प मेलों, प्रदर्शनियों और खिलौने की दुकानों की जरूरतों को पूरा करते हैं, जिनमें विशिष्ट हस्तशिल्प खिलौना निर्यात की संभावनाएं हैं।

जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत रह जाने से इस उद्योग को काफी बढ़ावा मिला है। यह सुधार लागत को कम करके, मूल्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हैं, उत्पादों को खरीदारों के लिए अधिक किफायती बनाते हैं और मांग को प्रोत्साहित करते हैं। यह कारीगरों की आजीविका को भी मजबूत करते हैं, छोटे पैमाने पर उत्पादन इकाइयों का समर्थन करते हैं और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में अवसरों का विस्तार करते हुए इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शिल्प को संरक्षित करने में मदद करते हैं।

धातु के बर्तन और अन्य बर्तन

पंजाब पीतल और तांबे के बर्तनों के निर्माण की पारंपरिक तकनीकों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त, राज्य में स्टील रसोई बर्तन उद्योग भी है। अधिकांश धातु के बर्तन और अन्य बर्तन उद्योग में जीएसटी दर में 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है, जो प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है और धातु कारीगर समूहों की मदद करती है।

PUNJAB'S METALWARE & UTENSILS

From **12%** to **5%**

Steel Kitchen Utensils	Brass & Copper Utensils
GST Impact	GST Impact
Lower input output tax supports competitiveness	Revival for metal artisan clusters

स्टील के रसोई के बर्तन

जालंधर और लुधियाना एमएसएमई के एक प्रमुख क्लस्टर हैं जो घरों, वाणिज्यिक रसोई घरों, खुदरा बिक्री केंद्रों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों के लिए स्टेनलेस स्टील के सामान का निर्माण करते हैं। 25,000 से अधिक कामगारों को रोजगार देने के कारण यह उद्योग छोटे उपकरणों के निर्यात में भी योगदान देता है, जिससे यह पंजाब के औद्योगिक आधार का अनिवार्य अंग बन गया है।

पीतल और तांबे के बर्तन

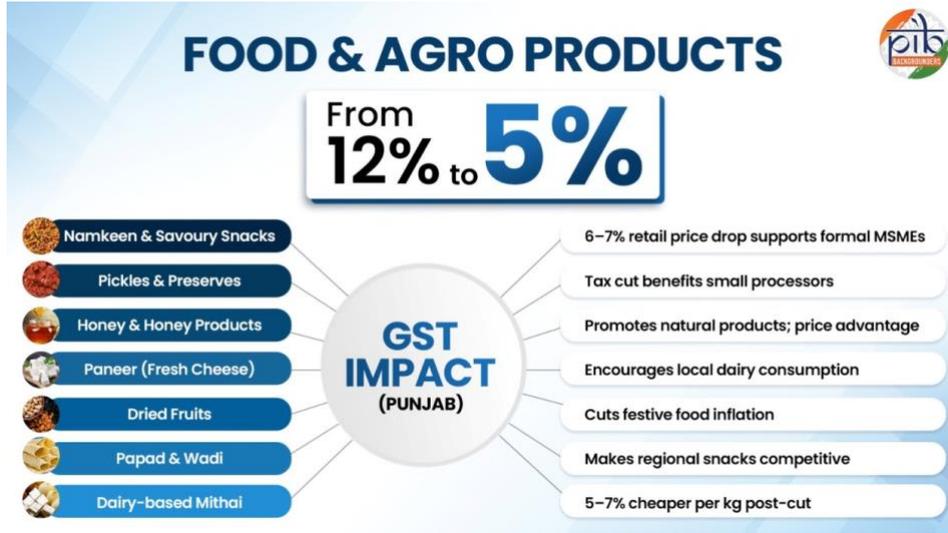
जालंधर में धातु के बर्तन बनाने वाले कारीगर पीतल और तांबे के बर्तन बनाते हैं जो रसोई के बर्तनों, अनुष्ठानिक सामान, मंदिर ट्रस्टों और बुटीक खरीदारों की जरूरतों को पूरा करते हैं। 5,000 से अधिक कारीगरों को रोजगार देते हुए, यह पारंपरिक शिल्प आजीविका को बनाए रखने के साथ-साथ वैश्विक स्वास्थ्य और जीवन शैली क्षेत्र में विशिष्ट निर्यात अवसर भी प्रदान करता है।

जीएसटी दर अब 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत हो गई है जो उद्योग को अति आवश्यक पुनरुद्धार प्रदान करती है। करों की कम दरें हस्तनिर्मित पीतल और तांबे के बर्तनों को उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती और व्यापक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाती हैं। यह सुधार न केवल घरेलू बिक्री और निर्यात क्षमता को बढ़ावा देगा, बल्कि कारीगरों की वित्तीय स्थिति को भी मजबूत करेगा, जिससे पंजाब के सदियों पुराने धातुकर्म समूहों का विकास सुनिश्चित होगा।

खाद्य एवं कृषि उत्पाद

पंजाब भारत की कई कृषि और खाद्य वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है। इन प्रमुख वस्तुओं में दूध, मक्खन, घी, दही, पनीर, यूएचटी दूध, शिशु आहार, डेयरी व्हाइटनर, चॉकलेट आदि शामिल हैं।

कई खाद्य और कृषि उत्पादों पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिए जाने से स्थानीय और लघु उत्पादकों को कम उत्पादन लागत, बेहतर लाभ मार्जिन और घरेलू तथा विशिष्ट निर्यात बाजारों में बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा का लाभ मिलेगा। यह कर राहत अधिक उत्पादन को प्रोत्साहित करती है, आजीविका का समर्थन करती है, और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पापड़ और वड़ी जैसे पारंपरिक उत्पाद ग्रामीण रोजगार को बनाए रखते हुए फलते-फूलते रहें।



नमकीन और नमकीन स्नैक्स

लुधियाना और जालंधर में, महिलाओं से जुड़ी कई लघु-स्तरीय स्नैक्स एमएसएमई, घरेलू बाजार, सुपरमार्केट और डी2सी ब्रांड्स के लिए नमकीन और नमकीन स्नैक्स का उत्पादन करती हैं, साथ ही एयरलाइंस और खुदरा विक्रेताओं को भी आपूर्ति करती हैं। इस क्षेत्र में उत्पादन और वितरण में लगभग 30,000 श्रमिक कार्यरत हैं, तथा विश्व भर में भारतीय प्रवासियों के बीच निर्यात की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

जीएसटी में 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत की कटौती इस उद्योग के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होगी। खुदरा कीमतों में 6-7 प्रतिशत की गिरावट से उत्पाद अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं, जिससे घरेलू और निर्यात बाजारों में बिक्री की मात्रा बढ़ जाती है। यह सुधार न केवल एमएसएमई के विकास और औपचारिकीकरण में सहायक होगा, बल्कि हजारों श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए बेहतर आजीविका भी सुनिश्चित करेगा।

अचार और संरक्षित खाद्य पदार्थ

गुरदासपुर और होशियारपुर में, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यम विशेष खाद्य दुकानों, किराना दुकानों और पारंपरिक खाद्य खुदरा विक्रेताओं के लिए अचार और मुरब्बे की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 10,000 सूक्ष्म उद्यमी कार्यरत हैं तथा प्रवासी-आधारित बाजारों में इसमें निर्यात की प्रबल संभावनाएं हैं।

जीएसटी में 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत की गिरावट इस कुटीर उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा देती है। कम कर लगने से उत्पाद अधिक किफायती और विपणन योग्य हो जाते हैं, जिससे घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों में बिक्री बढ़ती है। यह सुधार न केवल प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है बल्कि महिलाओं के उद्यमशीलता, ग्रामीण आय और खाद्य प्रसंस्करण एमएसएमई के औपचारिकरण को भी मजबूत करता है।

शहद और शहद उत्पाद

होशियारपुर और पठानकोट में जनजातीय समुदाय, ग्रामीण मधुमक्खी पालक और स्वयं सहायता समूह शहद उत्पादन और संबद्ध गतिविधियों में लगे हुए हैं, तथा मधुमक्खी पालन और पैकेजिंग प्रक्रियाओं में 15,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। शहद और इसके मूल्यवर्धित उत्पाद खाद्य खुदरा श्रृंखलाओं, आयुर्वेदिक और स्वास्थ्य बाजारों की जरूरतों को पूरा करते हैं तथा इन्हें एफएमसीजी कंपनियों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों द्वारा खरीदा जाता है। दुनिया भर में प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ, इस क्षेत्र में मध्य पूर्व और अमेरिका को निर्यात की भी संभावना है।

जीएसटी की दरें अब 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गई हैं, जिससे इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। कम कराधान से शहद और संबद्ध उत्पाद अधिक किफायती और प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं, जिससे छोटे उत्पादकों के लिए मार्जिन में सुधार होता है, जबकि व्यापक खपत को बढ़ावा मिलता है। यह सुधार जनजातीय और ग्रामीण आजीविका को समर्थन प्रदान करता है, उत्पादन श्रृंखलाओं को सुव्यवस्थित बनाता है, तथा वैश्विक प्राकृतिक उत्पाद बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत करता है।

पनीर (ताजा पनीर)

पंजाब के डेयरी क्षेत्रों में ग्रामीण उत्पादक और दुग्ध सहकारी समितियां पनीर (ताजा पनीर) उत्पादन में केन्द्रीय भूमिका में हैं, तथा दूध प्रसंस्करण में 40,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। पनीर घरों, मिठाई की दुकानों, खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं और होरेका (होटल, रेस्तराँ और कैफे/भोजन-सेवा) उद्योग के लिए एक मुख्य खाद्य पदार्थ है, जबकि निर्यात सीमित रूप से फ्रोजन फॉर्म के रूप में बढ़ रहा है।

जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना इस क्षेत्र के लिए सहायक है। लागत कम करके, यह सुधार अंतिम उपभोक्ताओं के लिए पनीर को अधिक किफायती बनाता है, उच्च घरेलू खपत को प्रोत्साहित करता है और डेयरी एमएसएमई और सहकारी समितियों की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है। यह ग्रामीण उत्पादकों के लिए आय स्थिरता का भी समर्थन करता है, डेयरी मूल्य श्रृंखलाओं के औपचारिकरण का विस्तार करता है और पंजाब की डेयरी उद्यमिता की मजबूत परंपरा के अनुरूप है।

सूखे मेवे

अमृतसर और लुधियाना पंजाब के प्रमुख ड्राई फ्रूट हब के रूप में कार्य करते हैं, जहां थोक व्यापारी और खाद्य प्रसंस्करणकर्ता लगभग 8,000 आपूर्ति श्रृंखला श्रमिकों को नियुक्त करते हैं। खुदरा उपभोग, प्रीमियम उपहार और त्यौहारी पैक के लिए सूखे मेवों की भारी मांग है, तथा प्रवासी बाजारों में इनके निर्यात की मध्यम संभावना है।

जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से इस वर्ग को काफी राहत मिली है। लागत कम करके यह सुधार त्यौहारी खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाता है, सूखे मेवे को घरों के लिए अधिक किफायती बनाता है तथा व्यापारियों और प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। कम कर का बोझ न केवल उच्च मौसमी और साल भर की मांग को प्रोत्साहित करता है, बल्कि इस क्षेत्र में लगे एमएसएमई के लिए मूल्य श्रृंखला, नौकरियों का समर्थन और मार्जिन में सुधार को भी मजबूत करता है।

पापड़ और वड़ी

फिरोजपुर और अमृतसर पंजाब के पापड़ और वड़ी उद्योग के केंद्र हैं, जहां महिला समूहों और सूक्ष्म उद्यमों में 6,000 से अधिक उत्पादकों को रोजगार मिला हुआ है। ये पारंपरिक घरेलू शैली के स्नैक्स घरेलू किराना बाजारों, पारंपरिक खाद्य खुदरा विक्रेताओं और मिठाई की दुकानों की मांग को पूरा करते हैं तथा विदेशों में भारतीय प्रवासी समुदायों के बीच भी इनकी मांग है।

जीएसटी में 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से इस क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, क्योंकि यह स्थानीय और निर्यात बाजारों में क्षेत्रीय स्नैक्स को प्रतिस्पर्धी बनाता है, जिससे उच्च मांग को बढ़ावा मिलता है। यह सुधार महिलाओं के नेतृत्व वाली सूक्ष्म इकाइयों को सुव्यवस्थित करने को भी प्रोत्साहित करता है, आय स्थिरता का समर्थन करता है और पंजाब की विशिष्ट पाक कला विरासत को संरक्षित करने में मदद करता है।

डेयरी आधारित मिठाई

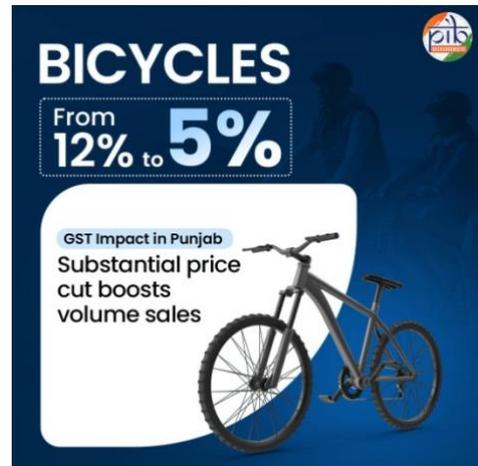
लुधियाना और अमृतसर डेयरी आधारित मिठाई के प्रमुख केंद्र हैं, जिनका उत्पादन मुख्यतः परिवारों द्वारा संचालित मिठाई की दुकानों द्वारा किया जाता है, जिनमें अक्सर महिलाएं भी शामिल होती हैं। इस क्षेत्र में 10,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और यह त्यौहारों, शादियों, उपहार बाजारों, पर्यटन तथा मिठाई ब्रांड्स, एयरलाइंस और खुदरा विक्रेताओं जैसे थोक खरीदारों की जरूरतों को पूरा करता है। प्रवासियों द्वारा उपहार पैक की मांग भी बढ़ रही है, जिससे उद्योग को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर लाभ मिल रहा है।

इस क्षेत्र में जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही कीमतों में लगभग 5-7 प्रतिशत प्रति किलोग्राम कमी होने के साथ, मिठाई उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती और विक्रेताओं के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है। इससे न केवल त्यौहारी और पर्यटन संबंधी मांग को बढ़ावा मिलता है, बल्कि छोटे मिठाई निर्माताओं को भी समर्थन मिलता है, सुव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है तथा प्रीमियम और प्रवासी बाजारों में पंजाब के पारंपरिक डेयरी आधारित व्यंजनों को मजबूती मिलती है।

साइकिल निर्माण

लुधियाना पंजाब के साइकिल निर्माण का अभिन्न अंग है, जिसमें बड़े पैमाने पर कारखाने और छोटी एमएसएमई इकाइयां दोनों इनका उत्पादन करती हैं। यह उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 40,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है, तथा स्कूल और यूटिलिटी साइकिलों की राष्ट्रीय मांग को पूरा करता है। प्रमुख खरीददारों में स्कूल के लिए योजनाएं और गतिशीलता स्टार्ट-अप शामिल हैं। दक्षिण एशिया और अफ्रीका में निर्यात के अवसर हैं।

जीएसटी में 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत की कटौती से कीमतों में पर्याप्त कटौती हुई है, जिससे घरों और सामाजिक योजनाओं के लिए साइकिलें अधिक किफायती हो गई हैं। इस कर राहत से बिक्री में वृद्धि, निर्यात बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होने तथा विनिर्माण केन्द्रों से लेकर खुदरा नेटवर्क तक आपूर्ति श्रृंखला में रोजगार सृजन को समर्थन मिलने की उम्मीद है।



निष्कर्ष

पंजाब में हाल ही में किए गए जीएसटी सुधार, वस्त्र, हस्तशिल्प, जूते, धातु के बर्तन, खाद्य, डेयरी और साइकिल पर कर की दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। लागत कम करके, ये उपाय उत्पादों को अधिक किफायती बनाते हैं, घरेलू खपत को बढ़ावा देते हैं, निर्यात का विस्तार करते हैं और प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को आगे ले जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सुधार हजारों कारीगरों, किसानों और एमएसएमई श्रमिकों की आजीविका को मजबूत करते हैं, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुव्यवस्थित बनाते हैं और पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक और औद्योगिक विरासत को संरक्षित करते हैं। ये परिवर्तन मिलकर न केवल विकास और रोजगार को बढ़ावा देंगे, बल्कि शिल्पकला, कृषि और विनिर्माण उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में पंजाब की स्थिति को भी मजबूत करेंगे।

संदर्भ

Punjab.gov.in

<https://punjab.gov.in/know-punjab/>

10oshiarpur.nic.in

<https://hoshiarpur.nic.in/handicraft/>

PIB Archives

<https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=112387>

investpunjab.gov.in

https://investpunjab.gov.in/assets/docs/Agro_and_food_processing_sector.pdf

https://investpunjab.gov.in/assets/docs/japan_textile_english.pdf

commerce.gov.in

[https://commerce.gov.in/wp-](https://commerce.gov.in/wp-content/uploads/2020/02/MOC_636016030908099515_Indian_Organic_Sector_Vision_2025_15-6-2016.pdf)

[content/uploads/2020/02/MOC_636016030908099515_Indian_Organic_Sector_Vision_2025_15-6-2016.pdf](https://commerce.gov.in/wp-content/uploads/2020/02/MOC_636016030908099515_Indian_Organic_Sector_Vision_2025_15-6-2016.pdf)

पीके/केसी/डीवी